<u>आजीविका निर्वाह हेतु व्यावसायिक शूकर पालन</u>

<u>पर पाँच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ</u>

संयुक्त निदेशालय प्रसार शिक्षा, भारतीय पशु चिक्तिसा अनुसन्धान संस्थान इज्ज़तनगर द्वारा अनुसूचित जाति उप -योजना के अंतर्गत दिनांक पाँच दिवसीय (21 से 25 जुलाई, 2025) प्रशिक्षण कार्यक्रम "**आजीविका निर्वाह हेतु व्यावसायिक शूकर पालन"** का शुभारम्भ हुआ । इस पाँच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारम्भ समारोह की अध्यक्षता डॉ रुपसी तिवरी, संयुक्त निदेशक, प्रसार शिक्षा ने की । अध्यक्ष महोदया ने अपने उद्बोधन में उपस्थित कृषकों को संबोधित करते हुए कहा कि शूकर पालन से अल्प आय वाला किसान या कृषक महिला भी आजीविका अर्जित कर सकती है, जहां एक ओर पशुपालन में खर्चा अधिक आता है वही शूकर पालन बहुत कम खर्च में किया जा सकता है । इस अवसर पर डॉ महेश चंद्र, प्रधान वैज्ञानिक (पूर्व अध्यक्ष, प्रसार शिक्षा विभाग) ने सभी प्रशिक्षणार्थियों का उत्साहबर्धन किया और बताया कि किसी भी कार्य को करने के लिये लगन एवं रुचि अति आवश्यक है जिससे कि कार्य को और गुणवत्तापूर्वक सम्पन्न किया जा सकता है । संस्थान के प्रधान वैज्ञानिक एवं कार्यक्रम समंवयक डॉ राम सिंह सुमन ने सभी प्रशिक्षणार्थियों से कहा कि प्रशिक्षण प्राप्त कर इस व्यवसाय को अवश्य आरंभ करें एवं संस्थान से शूकर पालन सबंधी समस्या के समाधान की जानकारी प्राप्त करें। इस अवसर पर उपस्थित कृषकों से आग्रह किया कि संस्थान में शूकर पालन से संबंधित सभी वैज्ञानिक जानकारी उपलब्ध है जो भी शूकर पालन प्रारंभ करेगा, उसको यहां से सदैव मदद प्रदान की जाएगी । इस प्रशिक्षण में बरेली जनपद के कुल 25 (22 पुरुष एवं 03 महिला) किसान भाग ले रहे हैं । इस अवसर पर डॉ मदन सिंह, वैज्ञानिक भी उपस्थिति रहे । उद्घाटन कार्यक्रम के अंत में डॉ. आर.एस. सुमन, प्रधान वैज्ञानिक, प्रसार शिक्षा द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया ।